संपादकीय

तीन साल में चार्जशीट

दिल्ली पुलिस ने जेएनयू में कथित तौर पर राष्ट्र विरोधी नारे लगाने के मामले में करीब तीन साल बाद अपनी चार्जशीट फाइल की है। इसमें जेएनयू छात्रसंघ के पूर्व अध्यक्ष कन्हैया कुमार समेत 10 लोगों को आरोपी बनाया गया है। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट में दाखिल किए गए 1200 पन्नों के इस आरोपपत्र पर मंगलवार को सुनवाई 19 जनवरी तक के लिए टाल दी गई।

गौरतलब है कि संसद पर हमले के दोषी अफजल गुरु की फांसी की बरसी पर नौ फरवरी 2016 को जेएनयू में एक कार्य म आयोजित किया गया था। पुलिस का कहना है कि इस अवसर पर कुछ छात्रों ने देश विरोधी नारे लगाए। इसके दो दिन बाद 11 फरवरी को पूर्वी दिल्ली से बीजेपी सांसद महेश गिरी ने कन्हैया कुमार समेत कई लोगों पर राजद्रोह का मुकदमा दर्ज करवाया। वसंत कुंज नॉर्थ थाने में मामला दर्ज होने के बाद पुलिस ने कन्हैया कुमार, उमर खालिद और अनिर्बान भट्टाचार्य से पूछताछ की और 12 फरवरी को कन्हैया को गिरफ्तार कर लिया। उमर खालिद और अनिर्बान भट्टाचार्य को 24 फरवरी को गिरफ्तार किया गया और 19 मार्च को इन तीनों को कोर्ट से जमानत मिल गई। स्वतंत्र दृष्टि से देखने पर यह मामला शुरू से ही उलझा हुआ लगता रहा है। पुलिस ने इस मामले में जो विडियो पेश किए, उसमें विडियो-ऑडियो मिसमैच की समस्या थी। पहले पुलिस ने कन्हैया पर ही नारे लगाने का आरोप लगाया, फिर कहने लगी कि उन्होंने नारे भले न लगाए हों, पर कार्य म में वह मौजूद थे। फिर पुलिस ने यह स्टैंड लिया कि कन्हैया ने यह आयोजन होने ही क्यों दिया?

अभी पुलिस का कहना है कि उसके पास छात्रों के खिलाफ पुख्ता सबूत हैं। सवाल यह है कि ये सबूत अगर उसके पास शुरू से थे तो चार्जशीट तैयार करने में उसने तीन साल क्यों लगाए? इनके अपराध को लेकर पुलिस आश्वस्त है तो उसने शुरू से ही मुस्तैदी क्यों नहीं दिखाई? बहरहाल, जिस तरह से और जिस समय यह आरोपपत्र दाखिल हुआ है, उससे इस जवाबी आरोप को बल मिलता है कि सरकार इस मामले का राजनीतिक लाभ उठना चाहती है। कन्हैया अपनी रिहाई के बाद से ही केंद्र सरकार की आलोचना करते रहे हैं और बीजेपी के खिलाफ चुनाव लड़ने की तैयारी में भी हैं। ऐसे में यह दलील हवाई नहीं कही जा सकती कि सरकार उन्हें गिरफ्तार करके राष्ट्रवादी कार्ड खेलना चाहती है। सत्तारूढ़ दल के नेता जिस तरह जेएनयू के इन छात्र नेताओं के खिलाफ अभियान चलाते रहे हैं, उससे भी यह शक गहराता है।

ध्यान रहे कि कुछ समय पहले गुजरात के सरकार विरोधी युवा नेता हार्दिक पटेल और कई सामाजिक कार्यकर्ताओं-बुद्धिजीवियों पर भी राजद्रोह के मुकदमे दर्ज किए गए हैं, जिसे पता नहीं क्यों राष्ट्रद्रोह या देशद्रोह बताया जा रहा है। राहत की बात है कि न्यायपालिका ने ऐसे सभी मामलों में सि य हस्तक्षेप किया है और उम्मीद है कि जेएनयू मामले में भी वह जल्द ही दूध का दूध पानी का पानी कर देगी।

अब आसानी से मिल जाएगी ट्रेन की स्थिती की जानकारी

रेलवे ने इंजनों को उपग्रह से जोड़ा

नई दिल्ली (आरएनएस)। रेलयात्रियों के लिए एक अच्छी खबर है कि अब उन्हें ट्रेन की स्थिति की जानकारी आसानी से मिल जाएगी। दरअसल, रेलवे ने अपने इंजन को इसरो के उपग्रह से जोड़ दिया है, जिससे उपग्रहों से मिली जानकारी से ट्रेन के बारे में पता लगाना, उसके आगमन और प्रस्थान स्वतः दर्ज होना आसान हो गया है।

रेल मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, नए साल में एक नई शुरुआत की गई है। ट्रेन के आवागमन की सूचना प्राप्त करने और कंट्रोल चार्ट में दर्ज करने के लिए भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) के उपग्रह आधारित रियल टाइम ट्रेन इन्फोरमेशन सिस्टम (आरटीआईएस) से स्वतः उपयोग किया जाने लगा है।

अधिकारी ने बताया कि यह प्रणाली आठ जनवरी को श्रीमाता वैष्णो देवी-कटरा बांद्रा टर्मिनस, नई दिल्ली-पटना, नई दिल्ली-अमृतसर और दिल्ली-जम्मू रूट पर कुछ मेल या एक्सप्रेस ट्रेनों के लिए अमल में लाई गई।

उन्होंने कहा कि नई प्रणाली से रेलवे को अपने नेटवर्क में ट्रेनों के संचालन के लिए अपने कंट्रोल रूप, रेलवे नेटवर्क को आधुनिक बनाने में मदद मिलेगी। अधिकारी ने कहा, इस कदम का मकसद ट्रेनों के परिचालन की सही सूचना में आगे सुधार लाना है।

उन्होंने बताया कि इंजन में आरटीआईएस युक्ति (डिवाइस) से इसरो द्वारा विकसित गगन जियो पोजीशनिंग सिस्टम का इस्तेमाल करके ट्रेनों की चाल और पोजीशन के बारे में पता लगाया जाता है। उन्होंने कहा, सूचना और तर्क के अनुप्रयोग के आधार पर युक्ति ट्रेन के आवागमन (आगमन/प्रस्थान/तय की गई दूरी/ अनिर्धारित ठहराव और सेक्शन के बीच की जानकारी) की ताजा जानकारी इसरो के एस-बैंड मोबाइल सैटेलाइट सर्विस (एमएसएस) का उपयोग करके सीआरआईएस डाटा सेंटर में सेंट्रल लोकेशन सर्वर को भेजती है।

दिल्ली एयरपोर्ट से फ्लाइट पर सफर करना पड़ेगा महंगा, 1 फरवरी से नए नियम लागू

नई दिल्ली। अगर आप 31 जनवरी के बाद दिल्ली एयरपोर्ट से फ्लाइट लेने की सोच रहे हैं तो आपको ज्यादा पैसे खर्च करने पड़ सकते हैं. एक एयरलाइन के अधिकारी ने बताया कि 1 फरवरी से दिल्ली एयरपोर्ट पर एक्स-रे बैगेज चार्ज लगाया जा रहा है. अधिकारी के मुताबिक यह चार्ज पैसेंजर्स से वसूला जाएगा. इस संबंध में एयरपोर्ट की परिचालक दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लि. (डायल) ने फैसला सुनाया है. इस नियम के लागू होने के बाद दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान पकड़ने वाले यात्रियों को 50 रुपये तक देने पड़ सकते हैं. DIAL के मुताबिक डोमेस्टिक रूट के लिए उड़ान भरने वाले प्रत्येक विमान पर 110 से 880 रुपये का चार्ज लगाया जाएगा. वहीं इंटरनेशनल रूट के लिए उड़ान भरने वाले विमानों के लिए यह चार्ज 149.33 डॉलर से 209.55 डॉलर प्रति विमान होगा. इस चार्ज का असर आम लोगों की जेब पर पड़ेगा और उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट से उड़ान पकड़ने के लिए अतिरिक्त 50 रुपये तक देने पड़ सकते हैं. माना जा रहा है कि एयरलाइंस एक्स-रे बैगेज चार्ज का बोझ यात्रियों को स्थानांतरित करेंगी.

अमूल ने गूगल पर फर्जी वेबसाइट चलाकर को भेजा कानूनी नोटिस

नई दिल्ली। अगर आप अमूल की डिस्ट्रीब्यूटरशिप लेना चाहते हैं, तो कृपया ध्यान दें. गूगल पर अमूल फ्रेंचाइजी, अमूल पार्लर, अमूल डिस्ट्रीब्यूटर की-वर्ड डालने पर फर्जी लिंक आ रहे हैं. ये लिंक पूरी तरह गलत हैं और इस चक्कर में रजिस्ट्रेशन फीस के नाम पर लोगों के 3-6 लाख रुपए तक वसूले जा रहे हैं. इसलिए अगर आपको फ्रेंचाइजी लेनी है तो कंपनी की असल वेबसाइट पर जाकर पूरी तरह तस्दीक कर लें. अमूल ने फर्जी विज्ञापन मामले में गूगल इंडिया को कानूनी नोटिस भी भेजा है. अमूल ने पुलिस से शिकायत की है कि कुछ संस्थाएं और व्यक्ति अमूल की डिस्ट्रीब्यूटरशिप दिलाने के नाम पर गूगल पर फर्जी विज्ञापन देकर ठगी कर रहे हैं.

लोगों से ठगे गए लाखों रुपए

अमूल का कहना है कि गूगल पर अमूल फ्रेंचाइजी, अमूल पार्लर और अमूल डिस्ट्रीब्यूटर की-वर्ड डालने पर फर्जी लिंक आ जाते हैं. इन पर क्लिक करने पर लोगों से फॉर्म भरवाया जाता है. उसके बाद कॉल कर रजिस्ट्रेशन फीस के तौर पर 25,000 से 5 लाख रुपए तक मांगे जाते हैं. पैसे मिलने के बाद लोगों से संपर्क बंद कर दिया जाता है.

लगातार आठवें दिन बढ़े डीजल के दाम, पेट्रोल भी हुआ मंहगा

नयी दिल्ली (आरएनएस)। डीजल की कीमत में गुरुवार को लगातार आठवें दिन बढ़ोतरी दर्ज की गई। पेट्रोल के दाम भी एक दिन की मामूली गिरावट के बाद बढ़ गए।

राजधानी दिल्ली में पेट्रोल का दाम गुरुवार को 14 पैसे बढ़कर 70.47 रुपये प्रति लीटर हो गया।

बुधवार को इसमें लगातार छह दिन बढने के बाद आठ पैसे की कमी आई थी। डीजल लगातार आठवें दिन बढ़ता हुआ 64.78 रुपये प्रति लीटर पर पहुंच गया। मुंबई में दोनों ईंधनों के दाम क्रमशः 76.11 और 67.82 रुपये प्रति लीटर रहे। कोलकाता में कीमतें क्रमशः 72.58 और 66.55 रुपये प्रति लीटर रहीं। चेन्नई में पेट्रोल 15 पैसे बढ़कर 73.15 रुपये और डीजल 20 पैसे की बढ़ोतरी से 68.42 रुपये प्रति लीटर हो गया।

आखिरी जंग से पहले एरॉन फिंच का वादा- आक्रामक खेल दिखाऊंगा

मेलबर्न। भारत के खिलाफ वनडे सीरीज के आखिरी मुकाबले से पहले ऑस्ट्रेलियाई कप्तान एरॉन फिंच का बड़ा बयान आया है. रक्षात्मक बल्लेबाजी से आजिज आ चुके फिंच ने कहा कि वह तीसरे और आखिरी वनडे मैच में स्वाभाविक आक्रामक खेल दिखाने से नहीं चूकेंगे. लंबे समय से खराब फॉर्म में चल रहे फिंच की लगातार आलोचना हो रही है. पहले दो वनडे में वह 12 रन ही बना सके हैं. मेलबर्न वनडे शुक्रवार को खेला जाएगा. भारतीय समयानुसार यह मुकाबला सुबह 7.50 बजे शुरू होगा.

सीरीज टीम इंडिया जीते या ऑस्ट्रेलिया, रिकॉर्ड तो बनेगा ही..

नई दिल्ली। आत्मविश्वास से भरी विराट कोहली के नेतृत्व वाली टीम इंडिया शुक्रवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे और निर्णायक वनडे मैच में उतरेगी. दोनों टीमें इस समय सीरीज में 1-1 की बराबरी पर हैं, ऐसे में जो भी टीम मेलबर्न में होने वाले इस मैच में फतह हासिल करेगी, सीरीज पर उसका कब्जा हो जाएगा. वैसे, भारतीय टीम इस मैच को जीतकर इतिहास रचने का एक और मौका हाथ से नहीं जाने देना चाहेगी. उसका इरादा टेस्ट सीरीज के बाद सीमित ओवरों में भी ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ उसी के देश में पहली वनडे सीरीज (द्विपक्षीय) जीत दर्ज करने का होगा. भारतीय टीम ने आस्ट्रेलियाई सरजमीं पर कभी द्विपक्षीय वनडे सीरीज नहीं जीती है. इस प्रारूप में उसने ऑस्ट्रेलिया में 1985 में वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ क्रिकेट चैम्पियनशिप ओर 2008 में सीबी सीरीज जीती थी. पिछली बार भारत को 2016 में ऑस्ट्रेलिया ने वनडे सीरीज में 4-1 से हराया था. दूसरी ओर, यदि ऑस्ट्रेलिया टीम तीसरा वनडे मैच जीतने में सफल रही तो लगभग दो साल में यह उसकी पहली वनडे सीरीज जीत होगी.

मेलबर्न में भारत अगर तीसरा वनडे जीत लेता है तो 2018-19 के दौरे पर कोई भी सीरीज गंवाए बिना ऑस्ट्रेलिया दौरे का समापन करेगा. दोनों देशों की टी20 सीरीज 1-1 से बराबर रही जबकि टेस्ट सीरीज में टीम इंडिया ने 2-1 से ऐतिहासिक जीत दर्ज की थी.भारत की एकमात्र चिंता पांचवें गेंदबाजी विकल्प की होगी. वनडे सीरीज में अभी तक तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार और मोहम्मद शमी प्रभावी रहे हैं जबकि स्पिनर कुलदीप यादव और रवींद्र जडेजा ने बीच के ओवरों में मोर्चा संभाला. हरफनमौला हार्दिक पंड्या की गैरमौजूदगी में भारत ने सिडनी और एडिलेड में पांचवें विकल्प के रूप में तेज गेंदबाजों खलील अहमद और मोहम्मद सिराज को आजमाया जिन्होंने क्रमशः 55 और 76 रन दिए. पांचवें गेंदबाज के रूप में हरफनमौला विजय शंकर और लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल विकल्प हो सकते हैं. इन दोनों ने ही एमसीजी पर जमकर अभ्यास किया. शंकर एक अतिरिक्त बल्लेबाज की कमी भी पूरी करेंगे लेकिन देखना यह है कि वनडे क्रिकेट में पदार्पण के साथ क्या टीम प्रबंधन उन्हें पूरे 10 ओवर देने का भरोसा कर सकता है. सिराज इसमें नाकाम रहे और कप्तान विराट कोहली असमंजस में थे कि उससे स्पैल के आखिरी तीन ओवर कराये जायें या नहीं.

भारत अगर दो तेज गेंदबाजों और तीन स्पिनरों को लेकर उतरता है तो चहल विकल्प हो सकते हैं. दूसरी ओर, शंकर के खेलने से बल्लेबाजी क्रम में बदलाव होगा और केदार जाधव के लिये जगह बन सकती है. ऐसे में पांचवें गेंदबाज के दस ओवर जाधव और शंकर मिलकर कर सकते हैं.

कुछ इस तरह का होता है कुंभ में आने वाले साधुओं का श्रृंगार, लोग देखकर रह जाते हैं दंग

प्रथम शाही स्नान के साथ प्रयागराज में कुंभ मेला प्रारंभ हो चुका है। कुंभ मेले का देशी और विदेशी मेहमानों को बेसब्री से इंतजार होता है। यहां आने वाला हर व्यक्ति कुंभ के रंग में रंगा नजर आता है, जहां एक ओर कुंभ मेले में आयोजित होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रम यहां आने वाले देशी और विदेशी सैलानियों के आकर्षण का केंद्र होते हैं वहीं साधुओं का विशेष श्रृंगार भी लोगों के कौतूहल का विषय होता है। कुंभ मेले में आने वाले साधु अलग - अलग प्रकार का श्रृंगार कर कुंभ में आने वाले श्रृद्धालुओं का मन मोह लेते हैं। जिस शाही ठाठ से वे कुंभ मेले में आते हैं वो नजारा देखते ही बनता है।

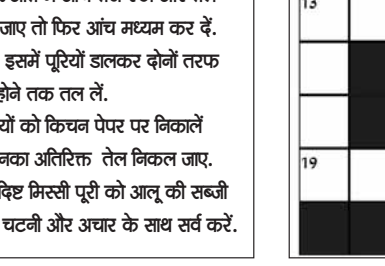

शास्त्रों के अनुसार 12 कुंभ होते हैं जिनमें से चार कुंभ पृथ्वी पर मानवों के लिए होते हैं और आठ कुंभ का आयोजन देवलोक में किया जाता है। इसी कारण व्यक्ति इन आठ कुंभ के आयोजनों में हिस्सा नहीं ले सकता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, कुंभ में स्नान करने से व्यक्ति के पाप नष्ट हो जाते हैं और उसे मोक्ष की प्राप्ति होती है। मृत्यु के पश्चात व्यक्ति को जन्म - मरण के बंधन से छुटकारा मिलता है और वह देवलोक को गमन करता है। शास्त्रों के अनुसार, जब देव और दानवों में अमृत कलश के लिए युद्ध हुआ तो अमृत की पहली बूंद प्रयाग में गिरी, दूसरी बूंद हरिद्वार में गिरी, तीसरी बूंद उज्जैन में गिरी और चौथी अमृत की बूंद नासिक में जाकर गिरी। इसी कारण इन चार जगहों पर प्रत्येक 12 वर्ष बाद कुंभ का आयोजन किया जाता है। कुंभ की गणना एक विशेष विधि से होती है, आपको बता दें कि गुरू एक राशि में लगभग एक वर्ष तक रहता है और बारह राशियों में भ्रमण करने में उसे 12 वर्ष की अवधि लगती है।

आज का राशिफल

मेष: लक्ष्मीजी की कृपा आप पर बरसेगी, ऐसा गणेशजी कहते हैं। सामाजिक रूप से यश और कीर्ति में वृद्धि होने की संभावना है। व्यापार में लाभ होगा। विवाह का आयोजन सफलतापूर्वक होगा लेकिन मध्याह्न के बाद आपका स्वास्थ्य बिगड़ सकता है।

वृषभ: आज का दिन शुभफलदायी है। व्यवसाय में स्थिति अनुकूल रहेगी तथा आपके कार्य की प्रशंसा भी होगी। सामाजिक रूप से मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। कार्य भी सरलतापूर्ण संपन्न होंगे और लाभ भी होगा। दांपत्य जीवन में आमोद-प्रमोद छाया रहेगा।

मिथुन: प्रतिस्पर्धियों और उच्च अधिकारियों के साथ वाद-विवाद न करने की गणेशजी की सलाह है। आमोद-प्रमोद से संबंधित वस्तुओं को खरीदने में खर्च अधिक होने की संभावना है। व्यावसायिक क्षेत्र में वातावरण अच्छा रहेगा।

कर्क: अनैतिक कार्य और नकारात्मक विचारों से दूर रहने की गणेशजी की सलाह है। वाणी पर संयम रखें। परिवार में तकरार ना हो, इसका ध्यान रखें। मध्याह्न के बाद विदेश से शुभ समाचार प्राप्त होंगे। संतान के भविष्य को लेकर चिंता हो सकती है।

सिंह: स्वास्थ्य की दृष्टि से आज आप प्रसन्न रहेंगे। मित्रों तथा संबंधियों के साथ घूमने-फिरने की योजना बनाएंगे। सामाजिक रूप से सम्मान प्राप्त होगा। साझेदारों के साथ चर्चा सकारात्मक होगी।

कन्या: आपके स्वभाव में आज कुछ अधिक संवेदनशीलता रहेगी। कार्य सफलता से प्रफुल्लित रहेंगे। यश और कीर्ति में वृद्धि होगी। मायके से अच्छे समाचार प्राप्त होंगे। शारीरिक और मानसिक रूप से आप प्रसन्नता का अनुभव करेंगे।

तुला: अपनी बौद्धिक शक्ति से आगे बढ़ेंगे। स्वास्थ्य का ध्यान रखें इसलिए यात्रा को टाल दें। आकस्मिक खर्च के योग हैं। मध्याह्न के बाद कार्य-सफलता मिलने से मानसिक रूप से आप प्रसन्न रहेंगे।

वृश्चिक: आज विद्यार्थियों के लिए दिन अनुकूल है। स्वभाव में हठीलापन छोड़कर आगे बढ़ेंगे तो अनेक समस्याओं का छुटकारा मिलेगा। नए वस्त्राभूषण तथा प्रसाधन के पीछे धन का खर्च अधिक होने की आशंका है।

धनु: शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य आज बना रहेगा। परिजनों के साथ प्रवास-पर्यटन का आयोजन बनेगा। मित्रों के साथ समय का आनंदपूर्वक सदुपयोग हो जाएगा।

मकर: आज का दिन मध्यम फलदायी होगा। धार्मिक कार्यों और उपासना के पीछे धन का खर्च हो सकता है। मध्याह्न के बाद आपका मन प्रफुल्लता का अनुभव करेगा।

कुंभ: आज आध्यात्मिक विषयों की तरफ झुकाव अधिक रहेगा। शारीरिक प्रफुल्लता और मानसिक प्रसन्नता दिनभर बनी रहेगी। मध्याह्न के बाद आप धार्मिक कार्यों के प्रति आकर्षित रहेंगे।

मीन: धन के लेन-देन, उगाही या निवेश करते समय सावधानी बरतें, ऐसा गणेशजी कहते हैं। किसी के भी कार्य में विघ्न न डालें। वाणी और ोध पर संयम बरतें।

मेथी मैदा की मिस्सी पूरी

मिस्सी रोटी तो रोजाना खाते हैं. जरा बेसन, मैदा और मेथीपत्ता को कुछ मसाले के साथ मिलाएं और फिर देखें कौन सी मजेदार चीज बनेगी.

एक नज़र

रेसिपी क्विज़ीन : इंडियन

कितने लोगों के लिए : 1 - 2

समय : 30 मिनट से 1 घंटा

कैलोरी : 1355

मील टाइप : वेज

आवश्यक सामग्री

1 कप बेसन

एक चौथाई कप मैदा

एक चौथाई कप मेथीपत्ता

2 बड़ा चम्मच हरा धनिया

2 हरी मिर्च

स्वादानुसार नमक

आधा छोटा चम्मच जीरा

तलने के लिए तेल

विधि-

- ताजी मेथी पत्ता, हरा धनिया एवं हरी मिर्च को धोकर बारीक काट लें.

- बेसन में मैदा और नमक मिलाकर छान लें. फिर इसमें थोड़ा तेल का मोयन, हरा धनिया, मिर्च और मेथी पत्ता मिलाकर पानी से आटा गूंद लें.

- इस आटे की लोइयां बनाकर पूरी बेलें.

- कड़ाही में पूरी तलने के लिए तेल गर्म करें. शुरुआत में आंच तेज रखें और तेल गर्म हो जाए तो फिर आंच मध्यम कर दें.

- अब इसमें पूरियों डालकर दोनों तरफ करारा होने तक तल लें.

- पूरियों को किचन पेपर पर निकालें ताकि इनका अतिरिक्त तेल निकल जाए.

- स्वादिष्ट मिस्सी पूरी को आलू की सब्जी या फिर चटनी और अचार के साथ सर्व करें.

शब्द सामर्थ्य-51

बाएं से दाएं

1. समाप्ति, खात्मा 3. रोगी, बीमार 5. गंभीरता, गहराई 6. बलपूर्वक, जबरदस्ती, व्यर्थ 9. लानत, तिरस्कार सूचक एक शब्द 10. लक्ष्मी, कमला 11. औषधालय 13. नाव खेने का लकड़ी का यंत्र 14. सतह, 'लेवल' 15. बिजली, तड़ित 17. चौकसी, सावधानी, बचाव 19. कहने वाला, वाचनकर्ता 20. सुंदर, अच्छा, बढ़िया 21. लगातार, तड़-तड़ करते हुए।

ऊपर से नीचे

1. शरीर का कोई भाग, शरीर 2. खोज-बीन, जांच-पड़ताल 3. वोट देने का हक 4. जो अत्यधिक शक्तिशाली व कठोर प्रकृति का हो, दृढ़, मजबूत 7. बरसात, पावस, बारिश 8. भरना, अटना, अंदर करना 12. घटना, हादसा, दुर्घटना 13. लिबाज़, पहनने का ढंग 16. नीला वस्त्र पहने वाला, नीला वस्त्र 17. ऐक्य, एक होने का भाव 18. दिल्ली स्थिति प्रसिद्ध जेल।

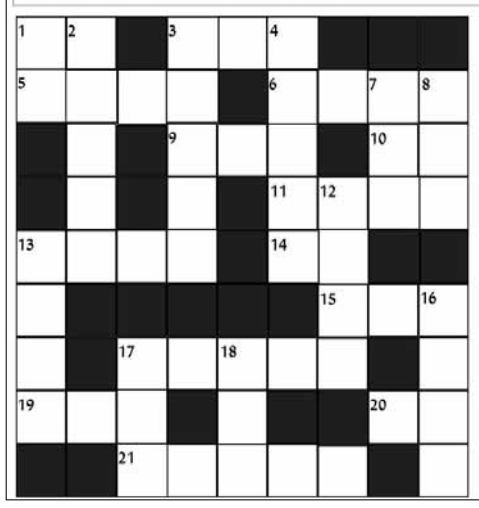

शब्द सामर्थ्य क्रमांक 50 का हल

वा	स्ता	■	■	सि	स	की	■	■
जि	■	ल	प	ट	■	मा	चि	स
ब	द	ला	■	क	■	■	ल	■
■	■	ट	■	नी	ल	क	म	ल
ता	ली	■	का	■	की	■	■	हू
क	■	स	रो	का	र	■	■	लु
झां	■	ज	बा	न	■	म	सी	हा
क	च	ना	र	■	भा	र्या	■	न
■	■	र्म	■	■	ज	र	दा	■

सू-दोकू-51

		3					7	
9				6		3		8
	7		9		5		6	
						1		9
3		8		7			5	
	1		3		9			7
		2		8		7		
	8				2		4	3
			1					

नियम

1. कुल 81 वर्ग है,जिसमें 9वर्गों का एक खंड बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1से 9 के बीच का कोई एक अंक र सकते है।
3. बाएं से दाएं और उपर से नीचे के प्रत्येक कालम,कतार और खंड में 1से9अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते है।

सू-दोकू क्र. 50 का हल

5	2	4	9	6	7	8	1	3
3	6	7	4	1	8	2	9	5
8	1	9	3	2	5	4	6	7
6	3	5	1	9	4	7	2	8
7	9	8	5	3	2	6	4	1
2	4	1	7	8	6	5	3	9
4	5	3	6	7	9	1	8	2
9	8	6	2	5	1	3	7	4
1	7	2	8	4	3	9	5	6